भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
निगमित संचार निदेशालय
प्रेस विज्ञप्ति

नई निगरानी प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन हेतु भा.वि.प्रा.ऐरॉन के साथ भागीदारी

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2019–भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) ने मुंबई ,चेन्नई और कोलकाता के समुद्री एयर स्पेस में स्पेस–आधारित वायु यातायात निगरानी सेवा के कार्यान्वयन हेतु ऐरॉन एलएलसी के साथ एक अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ये क्षेत्र अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर में स्थित हैं और 6.0 मिलियन वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ हैं । इस प्रौद्योगिकी का उद्देश्य 2019 के अंत तक स्पेस-आधारित स्वचालित निर्भरता-प्रसारण (एडीएस -बी) को प्रयोग करना है।

यह महत्वपूर्ण समझौता भाविप्रा के सभी एडीएस -बी आउट 1090 मेगाहट्र्ज से युक्त समुद्री हवाई यातायात को तुरंत कवरेज प्रदान करेगा, जो दुनिया के सबसे घने महासागरीय हवाई क्षेत्रों में से एक होगा ताकि सुरक्षा और दक्षता में वृद्धि और वर्ष दर वर्ष दोहरे अंकों में अभूतपूर्व वृद्धि में एक सर्वोत्तम साधन सिद्ध होगा। इन लाभों के अतिरिक्त, उपयुक्त समय पर हवाई यातायात निगरानी से दक्षिण पूर्व एशिया, भारत, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच के व्यस्त मार्गों पर दक्षता में वृद्धि होगी जिससे समुद्री और घरेलू हवाई क्षेत्रों के बीच परागमन में सुधार होगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के निगमित मुख्यालय में श्री मंसूर अहमद, कार्यपालक निदेशक, भाविप्रा और श्री डॉन थोमा, सीईओ, ऐरॉन द्वारा अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. गुरुप्रसाद अध्यक्ष, भाविप्रा ने बताया कि एरोन की प्रौद्योगिकी को लागू करने का निर्णय हमारी सार्वजनिक उड़ान की क्षमता बढ़ाना और सुरक्षा में सुधार का न केवल एक बड़ा कदम है, अपितु यह भी सुनिश्चित करना है कि हम दुनिया में तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक होने के नाते हम अपनी निरंतर वृद्धि के लिए योजना बना रहे हैं।" भाविप्रा इस पैमाने पर इस तकनीकी पहल को लागू करने के लिए इस क्षेत्र में पहला एयर नेविगेशन सर्विस प्रोवाइडर होगा और अपने उपयोगकर्ताओं को बढ़ी हुई हवाई यातायात निगरानी सेवायें उपलब्ध कराएगा।"

ऐरॉन के सीईओ, डॉन थोमा ने कहा "भाविप्रा के नेतृत्व और प्रौद्योगिकीय एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण के कारण यह दुनिया के सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डों में से सबसे सुरक्षित सुनिश्चित हुआ है ऐरॉन के सीईओ, डॉन थोमा ने कहा "हमे इस बात की खुशी है कि हैं कि इस क्षेत्र में सबसे पहले इस प्रौद्योगिकी को इस क्षमता से भाविप्रा ने कार्यान्वित किया है और हम इस भागीदारी से भारतीय हवाई क्षेत्र में सुरक्षा और दक्षता में सुधार के लिए तत्पर रहेंगे।"

वर्ष के अंत तक पूर्ण कार्यान्वयन के साथ भाविप्रा यह सुनिश्चित करेगा कि भारत उड़ान भरने वालों को उच्चतम सुरक्षा मानकों को उपलब्ध करने के लिए आवश्यक नियंत्रक उपकरणों के साथ बढ़ती क्षमता की मांग को पूरा करें। इस प्रकार भारत उन 26 अन्य देशों की सूची में शामिल हो जाएगा जो हवाई यातायात निगरानी के लिए ऐरॉन के अंतरिक्ष-आधारित एडीएस-बी को सक्रिय रूप से तैनात कर रहे हैं।

निगमित संचार निदेशालय द्वारा जारी

जानकारी के लिए संपर्क करें:
महाप्रबंधक (सीसी)
9811521881, 011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति संख्या.17/2019-20

ऐरॉन एलएलसी के बारे में:

ऐरॉन ने पूरे विश्व में विमान के लिए स्वचालित निर्भरता-प्रसारण (एडीएस.बीद्ध युक्त स्पेस - आधारित वायु यातायात निगरानी प्रणाली संस्थापित की है। ऐरॉन पीढ़ी की विमानन निगरानी तकनीकों का भी उपयोग कर रहा है जोकि औपचारिक रूप से भूतल आधारित थीं। ऐरॉन पहली बार विश्व स्तर पर अपनी पहुंच बढ़ा रहा है ताकि दक्षता में सुधारए सुरक्षा में वृद्धिए उत्सर्जन में कमी और सभी हितधारकों को लागत में बचत के लाभ प्राप्त हो सके। स्पेस -आधारित एडीएस-बी निगरानी तकनीक समुद्रीए ध्रुवीय और दूरस्थ क्षेत्रों को कवर करती हैए और मौजूदा जमीनी-आधारित प्रणालियों को संवर्धित करती है जो स्थलीय हवाई क्षेत्र तक सीमित हैं। एनएवीएकनाडाए आइरिश विमानन प्राधिकरण (आईएए)ए ईएनएवीए नेट्स और नेवियार की भांति इरिडियम संचार जैसे दुनिया भर के प्रमुख एएनएसपी के साथ साझेदारी मेंए ऐरॉन

एक वैश्विकए वास्तविक समयए स्पेस–आधारित हवाई यातायात निगरानी प्रदान कर रहा है। जोकि सभी विमानन हितधारकों के लिए उपलब्ध है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के बारे में :

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण भारतीय स्थलीय वायु अंतरिक्ष पर विभिन्न हवाई अड्डों पर स्थापित प्राथमिकए माध्यमिक रडार और ग्राउंड आधारित एडीएस–बी सिस्टम द्वारा वायु यातायात की निगरानी कर रहा है। उपलब्ध भूतल आधारित निगरानी संरचना की मदद सेए एयर ट्रैफिक की निगरानी और नियंत्रण लगभग 3 मिलियन वर्ग किलोमीटर के स्थलीय हवाई स्पेस तक सीमित है।

भूतल आधारित एडीएस–बी प्राप्तकर्ता और इंस्टॉलेशन मुद्दों की सीमा समस्याओं को दूर करने के लिए भाविप्रा भारतीय एफआईआर के लगभग 6 मिलियन वर्ग किलोमीटर के समुद्री क्षेत्रों में उपयुक्त रूप से एयरक्राफ्ट को निगरानी सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेस आधारित प्रौद्योगिकी को लागू कर रहा है। अंतरिक्ष आधारित एडीएस बी के कार्यान्वयन से 9 मिलियन वर्ग किलोमीटर भारतीय हवाई क्षेत्र निगरानी के दायरे में आ जाएंगे।

समय के साथ.साथ भाविप्रा को उम्मीद है कि अंतरिक्ष–आधारित एडीएस–बी तकनीक के उपयोग से उपयोगकर्ता वांछित मार्गों से उड़ान भर सकेंगे जिससे ऑपरेटरों के सुगम्यता में सुधार होगा। यह तकनीक फ्लाइट को सर्वोत्तम ऊंचाई और गति प्रदान कर दक्षता को अधिकतम करेगी । यह तकनीक पड़ोसी देशों के साथ समन्वय और सहयोग स्थापित करने ए घरेलू और समुद्री क्षेत्रों के बीच एक बेहतर हैंडऑफ एवं आपातकालीन और संकटपूर्ण परिस्थितियों में खोज एवं बचाव के कार्यों को त्वरित प्रतिक्रिया देगी।